

Bomb.). श्रुणुधम् MBh. 3, 8768. HARIV. 10308. इत्यप्रमक्ति Bhaṅ. P. 10, 23, 48. तत्पुत्रपौत्रनृणां गोत्राणि च न श्रमके 9, 3, 32. तच्छ्रुणुधम् MBh. 12, 1266. 13, 345. 14, 422. R. 7, 23, 4, 70. Mārk. P. 99, 13. श्रुणुधं च वचो मम MBh. 1, 1625. 2, 1557. R. 6, 81, 14. श्रुण्वीत Bhaṅ. P. 3, 13, 47. पूर्वेषां श्रुण्वानश्रितं मक्तु MBh. 1, 2285. 2, 994. 13, 3697. Bhaṅ. P. 1, 11, 11. तं शब्दं श्रुण्वे R. 3, 36, 2. 5, 23, 14. Bhaṅ. P. 7, 5, 3. श्रोष्ये MBh. 9, 105. 107. R. Gorr. 2, 120, 22. 5, 23, 18. 69, 26. श्रः श्रोष्यसे (so ed. Bomb. st. ०ते) शिरस्तस्य सैन्धवस्य रणे कृतम् MBh. 7, 2725. श्रुणुधावहितो मम 13, 1119. 14, 424. श्रुण्वे mit acc. der Sache und abl. der Person 1, 386. — 3) med. (im Veda) in pass. Bed. und pass. श्रूयते u. s. w. (nach-vedisch): स घोषः श्रूयते ऽवमेर्मित्रैः wird vernommen RV. 3, 30, 16. 5, 73, 7. 10, 94, 6. केनो नु कं श्रोमतेन न श्रूयते वृत्रका 8, 35, 9. 2, 34. कया तच्छ्रूयते शच्या शचिष्ठः heisst 4, 20, 9. क उयाः के कं श्रूयिरे 8, 45, 4. वषा कृप श्रूयिषे 6, 14. 67, 3. 7, 26, 4. श्रूयते Çāṅkh. Çā. 1, 16, 7. 7, 8, 6. 9, 1, 3. द्वि-ज्ञातिमुष्यवृत्तीनां विधानं श्रूयताम् M. 3, 286. 11, 161. R. 1, 8, 5. 53, 8. आ-लाप इव श्रूयते Çāṅk. 8, 21. Spr. (II) 2928. वार्तापि न श्रूयते 6033. श्रूयतां धर्मसर्वस्वम् 6378. fg. VARĀH. BRH. S. 12, ८. कुमुदे कुमुदोत्पत्तिः श्रूयते न च दृश्यते Spr. (II) 1846. स्थानप्राप्तिविहीना हि गीतवत्कुलकन्यका। उद्देहिनी परस्यापि श्रूयमाणैव कर्णयोः ॥ KATHĀS. 24, 25. द्वादशभिर्वर्ष-स्तावद्याकरणं श्रूयते wird beim Lehrer gehört, — studirt PAÑĀT. 4, 14 (ed. orn. 1, 17). आगमेषु परमेश्वरस्य शरीरेन्द्रियादियोगः श्रूयते so v. a. man erfährt aus, man liest in SARVADARĢANAS. 83, 19. इति तर्हि श्रूयमा-णास्य विधेः 123, 15. यत्र तुशब्दः श्रूयते gehört — so v. a. angewandt wird Schol. zu TS. Prāt. 22, 6. — शब्दः श्रूयति सर्वशः MBh. 6, 2515. शब्दः श्रूयते 4, 1788. HARIV. 3003. R. 1, 24, 5. 2, 40, 29. 76, 21. 91, 25. 6, 19, 4. RAGH. 19, 18. KATHĀS. 11, 66. 19, 112. श्रुण्विरे गिरः RAGH. 9, 44. इत्य-श्रावि च वागिद्व्या KATHĀS. 46, 96. PRAB. 20, 9. PAÑĀT. 64, 3. रूतानि चाश्रोषत षट्पदानाम् BHATT. 2, 10. परास्य शक्तिर्विधिवैव श्रूयते man hört, — erfährt, es heisst, dass ÇVETĀCV. Up. 6, 8. MAITRĀJUP. 2, 3. श्रूयते भवतः साधी स्वसा माद्री यशस्विनी MBh. 1, 4480. अयं श्रूयते गीतः श्लोको मका-त्मना 5, 7078. R. 2, 107, 11. तैर्युक्तः श्रूयतां नरः 1, 1, 9. 22, 17. 6, 93, 57. Çāṅk. 71. Spr. (II) 2431. 2933. KATHĀS. 24, 85. बहवः — जीवन्मुक्तिमा-श्रिताः श्रूयते रमेश्वरमिहान्ते SARVADARĢANAS. 98, 20. fg. श्रुण्वे। राजपुत्रो जिगीषुश्च श्रीमान्यौधिष्ठिरे कुले man hörte von RĪĢA-TAR. 2, 144. तेना-भार्यया सदृशी भार्याश्रावि विचिन्वता KATHĀS. 56, 240. mit gen. der Per-son: तच्छ्रूयतां मम MBh. 3, 12772. R. 1, 4, 28. mit मुखात् st. des einf. abl. HIT. 39, 7. pass. impers.: श्रोदकात्तात्त्रिग्यो ज्ञेनो ऽनुगतव्य इति श्रूयते man hört, — liest, dass Çāṅk. 84, 22. श्रूयते so v. a. ich höre 14, 16. श्रूय-ताम् man höre, du höre M. 1, 4. 60. 5, 3. R. 1, 1, 8. Çāṅk. 50, 7. 57, 5. 84, 11. KATHĀS. 18, 258. PAÑĀT. 33, 21. HIT. 27, 10. VET. in LA. (III) 4, 20. श्रूयतां तु गुणैरेभिर्भ्या युक्तः R. Gorr. 1, 1, 18. यदस्मि u. s. w. Çāṅk. 98, 1. तथा च श्रुताश्चतुरोपनिषदि श्रूयते und so liest man in SARVADARĢANAS. 152, 2. mit abl. der Person: वृद्धेभ्यः श्रूयते यथा KATHĀS. 6, 74. mit gen. der Sache: श्रूयतामस्य धनुषो यदर्थमिह तिष्ठति R. 1, 66, 7. — श्रुणुवंस् and श्रुत s. bes.

— caus. श्रवयति (nur im Veda) und श्रा० (श्र० RV. Padap.); des Metrum wegen auch med. hören lassen, verkünden, hersagen: श्रोगोचं पच्छ्रवयन् एतेन RV. 1, 110, 3. श्रावयेदस्य कर्णी वाजपथ्यौ 4, 29, 8. वाचम् VII. Theil.

8, 83, 12. ÇAT. BR. 1, 8, 2, 20. 9, 2, 18. लोके 7, 3, 2, 29. 12, 8, 2, 26. रक्ष्यम् ÇĀṅKH. GRHJ. 2, 11. ĀCV. GRHJ. 4, 7, 26. य एवं श्रावयेच्छ्रुद्धि KĀLIKOP. in Ind. St. 9, 20. ब्रह्म संसदि KĪTHOP. 3, 17. स्वाध्यायम्, धर्मशास्त्राणि u. s. w. M. 3, 232. श्लोकत्रयम् JĀĢN. 3, 332. तच्च वाक्यं श्रावयौ चक्रिरे MBh. 3, 2743. 8, 2516. R. 7, 13, 35. — Verz. d. Oxf. H. 47, a, 2 v. u. नाम स्वं श्रावयन् R. 2, 3, 31. 5, 30, 19. KATHĀS. 6, 4. मङ्गल्यशब्दम् LALIT. ed. Calc. 378, 10. fg. mit acc. der Person Jmd hören lassen, zu Jmd sprechen, anreden, Jmd Etwas mittheilen P. 1, 4, 52. VĀRTT. 2. सात्तिपाः JĀĢN. 2, 73. HARIV. 5197. KATHĀS. 4, 66. 8, 19. 12, 153. 182. 32, 79. 69, 33. Bhaṅ. P. 1, 3, 44. mit doppeltem acc.: वेणुमश्रावयच्च गाः VOP. 3, 5. एतद्वा ऽयं भृगुः शास्त्रं श्रावयिष्यति M. 1, 39. JĀĢN. 3, 334. MBh. 1, 2300. 2317. fg. 6518. 8403. भीष्मं ब्रूतान्तरा वाचः 2, 1432. 3, 993. 1837. 5, 909 (med.). 13, 4303. HARIV. 9711. R. 2, 77, 24. R. Gorr. 1, 4, 3. 5, 76, 16. 6, 101, 6 (med.). Bhaṅ. P. 4, 31, 23. PAÑĀT. 1, 12, 4. अशिश्रवत्तं च जीवत्तं पवनात्मजम् er theilte ihm mit, dass BHATT. 15, 103. mit gen. der Person: तेन ते श्रा-वयिष्यामि यत्तद्वत्स सनातनम् MBh. 13, 1120. Bhaṅ. P. 4, 12, 49. mit dat. der Person: मया श्रावयामास किंत्विषम् HARIV. 1087. इमां कथां श्रावयेद्यस्तु विप्रेभ्यः 12276. pass. zu hören bekommen: श्राव्यतां पृथिवीतितः। यश्च-याभिहितं वाक्यं मया च प्रतिभाषितम् HARIV. 9620. mit acc. der Sache: इति वचनं पौलस्त्यः श्राव्यताम् R. 5, 76, 18. partic. श्रावित 1) der Etwas (acc.) zu hören bekommen hat, — vernommen hat: इत्यस्य दूतैः स श्रा-वितो ऽभवत् RĪĢA-TAR. 4, 552. KATHĀS. 81, 85. 124, 119. अस्याधिवासनम् HARIV. 6026. सर्वमर्थम् R. 5, 66, 16. मया वाक्यं वदीयम् MBh. 3, 2746. तेन बहूशो ब्रूतम् 6, 5830. 3, 2. 3, 7508. 14, 415. HARIV. 1097. R. 1, 17, 18 (7 Gorr.). 2, 62, 1. 4, 32, 4. 7, 50, 18 (श्रावितः zu lesen). mit gen. der Per-son MBh. 7, 6403. mit abl. der Person: सात्त्यमन्येभ्यः JĀĢN. 2, 82. — 2) verkündet, gesprochen, mitgetheilt R. Gorr. 1, 1, 105. Bhaṅ. P. 3, 22, 8. 4, 18, 2. — 3) angemeldet: सचिवैः श्राविताः पूर्वं प्रविष्टास्ते नराधिपाः HARIV. 6085. — 4) genannt: श्रावस्तोति पुरी रम्या श्राविता च लवस्य कृ R. 7, 108, 5. — 5) so v. a. श्रावयित der rituelle Zuruf ÇAT. BR. 14, 9, 2, 9. — Vgl. 3. श्रावण, श्रावणीय, श्राव्य.

— desid. श्रूयते P. 1, 3, 57. VOP. 23, 57. im Epos des Metrum wegen auch med. 1) hören wollen, gern hören: तं कृ त्पदिन्द्रं कुत्समावः श्रूय-षमाणस्तन्वा समर्पे RV. 7, 19, 2. 4, 38, 7. VS. 22, 8. MBh. 3, 375. 1263. 13248. 13, 7629. R. 2, 56, 17. Bhaṅ. P. 2, 9, 40. यदि श्रूयते MBh. 3, 2064. 14, 68. HARIV. 281. श्रूयस्व MBh. 7, 3064. श्रूयषधम् 12, 1296. 13, 614. तस्मै एवोत श्रूयते KĀND. Up. 7, 5, 2. श्रूयस्व गिरं मम MBh. 3, 16922. 5, 2823. 4462. 13, 5823. 14, 64. R. 3, 51, 11. नाश्रूयत गायनान् BHATT. 8, 34. act.: तस्मै श्रूयते ब्रूहि MBh. 5, 1565. Bhaṅ. P. 1, 18, 15. 2, 3, 14. 10, 51, 82. श्रूयतां वाचं भाषिता ÇAT. BR. 14, 9, 2, 17. — 2) gehorchen, Jmd seine Aufmerksamkeit erzeigen, zu Jmds Dienst sein KUMĀRAS. 1, 60. भार्या न श्रूयते Spr. (II) 2103. गुरुम् M. 2, 244. पतिम् Spr. (II) 3686. 5359. राजानम् MBh. 3, 18175. 13722. 13, 3662. 13, 115. अग्निम्, पितरम् R. 1, 8, 10. 77, 15. Çāṅk. 93. श्रूयषमाणा ते (= त्वाम्) R. 2, 27, 18. R. ed. Bomb. 2, 8, 18. श्रूयषितुम् MBh. 3, 1850. 5, 865. गाः श्रूयषित्वा M. 11, 110. act.: मातरं पितरं च श्रूयषति MBh. 13, 1665. R. Gorr. 2, 32, 25. 7, 79, 14. श्रूयष माम् 2, 18, 24 (21, 23 SHL.). 38, 42. 39, 5. 6, 104, 87. श्रूय-षेयम् 3, 15, 35. श्रूयषेत् 2, 16, 32. श्रूयषती MBh. 4, 374. 15, 456. R. Gorr.